RNI No. CHHHIN/2009/35020

नई सोच, नया आयाम

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 233 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, शनिवार 2 जुलाई 2022

पेज -3 पर

शासकीय कन्या उ.माध्यमिक विद्यालय में शाला प्रवेशोत्सव...

निवर्तमान कलेक्टर को भावभीनी विदाई

पेज -4 पर

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

एक नजर

सभी सरकारी दफ्तरों में अब होगी छत्तीसगढ़ महतारी

रायपुर. मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान लगातार छत्तीसगढ़ महतारी का चित्र लगाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के सभी सरकारी दफ्तरों में अब छत्तीसगढ़ महतारी का फोटो लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। इसे लेकर सरकार ने 30 जून को एक नया निर्देश जारी किया। इससे पहले सरकार ने सभी सरकारी कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ महतारी का चित्र लगाना अनिवार्य किया था। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर जारी किए गए निर्देश में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ महतारी की फोटो को शासकीय भवनों, कार्यालयों, कार्यक्रमों के अलावा सभी सरकारी शैक्षणिक शिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण संस्थानों, पंचायतों और स्थानीय निकायों में भी लगाया जाए। सभी सरकारी कार्यक्रमों के प्रारंभ में छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर श्रद्धा पूर्वक पूजन-वंदन और नमन किया जाए।

रथ तक पहुंचे भगवान जगन्नाथ

प्रथम सेवक के रूप में भगवान को लेकर गईं राज्यपाल, मुख्यमंत्री ने स्वर्ण झाड़ू से साफ किया रास्ता

रायपुर. छत्तीसगढ़ के रायपुर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकली। राज्यपाल अनुसुईया उईके भगवान जगन्नाथ को प्रथम सेवक के रूप में रथ तक लेकर पहुंची हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छर पहनरा की रस्म की और स्वर्ण झाड़ू से रास्ता साफ किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने भगवान की आरती उतारी और मंदिर में हवन किया। मुख्यमंत्री का मंदिर में पगड़ी पहनाकर समिति ने स्वागत किया गया था।

गायत्री नगर में पुरी की ही तरह रथों को सजाया गया है। भगवान इसकी सवारी करेंगे। महाप्रभु के महापर्व से जुड़ी छटा देखने को मिलेगी। बिलासपुर और बस्तर सहित कई जिलों में भी पुरी की तर्ज पर भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जाएगी। बिलासपुर में 16 फीट लंबा, 17 फीट ऊंचा और 12 फीट चौड़ा रथ बनाया गया है। बस्तर में भी भगवान जनकपुरी स्थित गुंडिचा मंदिर में अपनी मौसी के घर जाएंगे। रायपुर में आयोजन समिति ने गायत्री नगर में तीन रथ तैयार करवाए हैं। इसी तरह पुरी में भी रथ यात्रा निकलती है। जिस रथ में जगन्नाथ विराजेंगे उसे %नंदीघोष कहा जाता है। भाई बलराम जी के रथ का नाम 'तालध्वज' है,बहन सुभद्रा जी 'दर्पदलन' रथ पर सवार होती हैं। ये तीनों रथ शुक्रवार को लोगों के दर्शन के लिए मौजूद रहेंगे।

यहां भगवान के लिए पुरी से आती है जड़ी बूटियां

मान्यता के मुताबिक गायत्री नगर के जगन्नाथ मंदिर में स्नान पूर्णिमा के बाद से ही बीमार हैं। पिछले करीब 15 दिनों से भगवान जगन्नाथ को काढ़ा दिया जा रहा था। इसके लिए जगन्नाथ पुरी और ओडिशा के नरसिंह नाथ से जड़ी-बूटियां हर साल रायपुर आती हैं। इसी से बने काढ़े का भोग भगवान को लगता है।

शहर में करीब 10 रथ निकले

टुरी हटरी, पुरानी बस्ती स्थित 500 साल पुराने जगन्नाथ मंदिर में महंत रामसुंदर दास के नेतृत्व में अभिषेक, हवन-पूजन के बाद दोपहर बाद रथयात्रा निकाली जाएगी। दोपहर 2-30 बजे भगवान जगन्नाथ जी, माता सुभद्रा और बलदाऊ जी रथ पर विराजित होंगे। इसके बाद लोहार चौक, पुरानी बस्ती थाना, कंकालीन तालाब, तात्या पारा चौक, आजाद चौक, आमापारा चौक होते हुए लाखे नगर चौक तथा टिल्लू चौक पहुंचेंगे। यहां भगवान जनकपुर में विश्राम करेंगे। सदरबाजार स्थित 150 साल पुराने जगन्नाथ मंदिर में पुजारी परिवार के नेतृत्व में पूजन के बाद गाजे-बाजे के साथ यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा कोतवाली चौक, कालीबाड़ी होते हुए टिकरापारा पुजारी पार्क के समीप गुंडिचा मंदिर में समाप्त होगी।

किसानों को फसल बीमा दावा राशि का भुगतान करने में छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्य

कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने फसल बीमा सप्ताह का किया शुभारंभ

रायपुर। फसल बीमा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवानाकृषि एवं जल संसाधन मंत्री श्री रविंद्र चौबे ने आज प्रदेश-व्यापी फसल बीमा जागरूकता सप्ताह की शुरुआत की।

रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में आयोजित एक संक्षिप्त एवं गरिमामय में कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री रविंद्र चौबे ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये रथ ग्रामीण अंचल में 15 जुलाई तक भ्रमण कर किसानों को फसल बीमा के प्रावधानों की जानकारी और फसल बीमा कराने के लिए प्रेरित करेगें। देश की आजादी की 75 वीं वर्षगांठ अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में फसल बीमा सप्ताह के तहत आज राज्य के सभी जिला मुख्यालयों से भी प्रचार-प्रसार रथ रवाना किए गए, जो 15 जुलाई तक पूरे राज्य में भ्रमण कर किसानों को फसल बीमा कराने के लिए जागरूक करेंगे। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसान धान सिंचित एवं असिंचित ,अरहर, मूंग, उड़द, मक्का एवं उद्यानिकी फसलों का बीमा 15 जुलाई तक करा सकेंगे। कृषि मंत्री श्री रविंद्र चौबे ने इस अवसर पर कहा कि राज्य में खेती- किसानी को समृद्ध और किसानों को खुशहाल बनाना छत्तीसगढ़ सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है ।

फसल बीमा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मुख्यमंत्री ने नारायणा हॉस्पिटल में मेगा निःशुल्क आर्थोपेडिक एवं स्पाइन सर्जरी का किया शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्जवलित कर कांफ्रेंस का शुभारंभ किया। उन्होंने उपस्थित डॉक्टर्स और स्वास्थ्य कर्मचारियों को संबोधित मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज राजधानी रायपुर के देवेन्द्र नगर स्थित श्री नारायणा हॉस्पिटल में आयोजित निःशुल्क मेगा आर्थोपेडिक एवं स्पाइन सर्जरी तथा तीन दिवसीय स्पाइन एवं आर्थोपेडिक कांफ्रेंस का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने उपस्थित डॉक्टर्स को डॉक्टर्स डे की बधाई और शुभकामनाएं दी साथ ही श्री नारायणा हॉस्पिटल के 11 वर्ष पूर्ण होने पर हॉस्पिटल से जुड़े सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में श्री नारायणा हॉस्पिटल की राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धियों की सराहना की।

सर्पदंश से हुई मासूम बालिका की मौत

सुकमा । जिले के दरभा ब्लाक मुख्यालय के ग्राम पंचायत तोयनार सरपंच पारा मे सर्पदंश से एक वर्षीय बालिका की मौत हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक दरभा ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत तोयनार सरपंच पारा मे बिती रात 12 बजे के घर मे सो रही एक वर्षीय बालिका ललिता पिता जगरा को सांप ने डंस लिया। परिजनो द्वारा पुलिस चौकी पखनार में सर्पदंश की रिपोर्ट दर्ज कर पोस्टमार्टम हेतु स्वास्थ्य केंद्र दरभा लाया गया पोस्टमार्टम पश्चात मृत बालिका की शव को अंतिम संस्कार हेतु परिजनो को सुपुर्द किया गया।

कोरोना के खिलाफ जंग हमने सभी के सहयोग से जीती: मुख्यमंत्री

डॉक्टर को मिला है भगवान का दर्जा, इनकी मुस्कुराहट से ही आधी बीमारी दूर हो जाती है: मुख्यमंत्री

रायपुर। आईएमए द्वारा आयोजित डॉक्टर्स डे सम्मान समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्रीमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि कोविड संक्रमण के दौर में जिस तरह से छत्तीसगढ़ ने जंग लड़ी है वैसे शायद ही देश के किसी और राज्य में काम हुआ हो।

मुख्यमंत्री ने कोविड संक्रमण में लोगों की जान बचाने के लिए जूझ रहे उन डाक्टरों को भी नमन किया जिन्होंने खुद अपनी जान गंवा दी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज अपने निवास कार्यालय में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा आयोजित डॉक्टर्स डे सम्मान समारोह में उपस्थित डॉक्टर्स और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने डॉक्टर्स डे के अवसर पर डॉ बिधान चंद्र राय के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए चिकित्सा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान का भी जिक्र किया। श्री बघेल ने कहा राजनीति के साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय कार्य करने वाले डॉ बिधान चंद्र राय खुद को चिकित्सक कहलाना ही पसंद करते थे।

मुख्यमंत्री ने डॉक्टर्स के बारे में कहा कि इन्हें भगवान का दर्जा दिया जाता है और डॉक्टर्स से बेहतर इंसानों की सेवा अन्य कोई भी नहीं कर सकता है। श्री बघेल ने कहा कि डाक्टर अगर मरीज के सामने मुस्कुरा भर दें तो मरीज की आधी बीमारी वैसे ही ठीक हो जाती है और डाक्टर्स का व्यवहार ही मरीजों की कई बीमारियों का इलाज है। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कोविड संक्रमण के दौरान छत्तीसगढ़ के विभिन्न हिस्सों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 24 चिकित्सकों को सम्मानित किया।

कोरबा में रात के अंधेरे में 200 करोड़ की रजिस्ट्री

कोरबा । रात के अंधेरे में 200 करोड़ रूपयों की प्रापर्टी की रजिस्ट्री किये जाने की खबर मिल रही है। यह कारनामा कोरबा में हाल ही में किया जाना बताया जा है। शहर में व्यास चर्चा के अनुसार हाल ही में रात 8 बजे के आस पास ई.स्टाम्प सेन्टर को खोला गया। वहां से ई.स्टाम्प लिया गया। इसके बाद रजिस्ट्री आफिस को रात में ही खोला गया और करीब 200 करोड़ रुपयों की प्रापर्टी की रजिस्ट्री की गई।

सूत्रों के अनुसार रात के अंधेरे में कार्यालयीन समय समाप्त होने के बाद ई.स्टाम्प सेन्टर और रजिस्ट्री कार्यालय को खोलना इस बात का परिचायक है, कि यह रजिस्ट्री किसी प्रभावशाली व्यक्ति के द्वारा करायी गयी है। वह व्यक्ति इतना बलशाली है कि रात में नियम विरुद्ध तरीके से राजधानी से पंजीयन विभाग का पोर्टल खोला गया और कार्यालय को खोलकर रजिस्ट्री की गई।

जानकारी के अनुसार जिस प्रापर्टी की रजिस्ट्री की गई है, वह जिले के करतला ब्लाक अन्तर्गत सोहागपुर गाँव के आस पास की है। बताया जा रहा है, कि इस बात की जानकारी मिलने के बाद जिले के एक नेता ने पूरा रिकॉर्ड निकाल कर आयकर विभाग और ई डी सहित दिल्ली के कुछ प्रमुख नेताओं को उपलब्ध कराया है।

उदयपुर में हुई हिंसक घटना का विरोध जताने आज छत्तीसगढ़ बंद

रायपुर. उदयपुर में हुई घटना की आंच अब छत्तीसगढ़ पहुंच चुकी है। कल 2 जुलाई को रायपुर समेत प्रदेश भर में बंद का आह्वान किया गया है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल मिलकर इस बंद का आह्वान किया है। संगठन से जुड़े नेताओं का दावा है कि 2 जुलाई को पूरे प्रदेश को बंद करवाया जाएगा। बजरंग दल संगठन के नेता रवि वाधवानी ने बताया कि 2 जुलाई को छत्तीसगढ़ बंद रखा गया है। उदयपुर में हुई हिंसक घटना का विरोध जताने की मंशा के तहत प्रदेश को बंद कराया जा रहा है।

राष्ट्रपति उम्मीदवार यशवंत सिन्हा पहुंचे रायपुर

रायपुर। राष्ट्रपति पद के लिए संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा आज रायपुर पहुंच गए हैं। एयरपोर्ट पर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष मोहन मरकाम सहित अन्य नेताओं ने यशवंत सिन्हा का स्वागत किया। सिन्हा कांग्रेस विधायकों के साथ संवाद करेंगे। इसके बाद शाम को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ उनकी मीटिंग है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सिन्हा भाजपा विधायकों से भी मुलाकात करेंगे और राष्ट्रपति चुनाव के लिए समर्थन मांगेंगे। यशवंत सिन्हा इस वक्त अलग-अलग राज्यों का दौरा करके वोट देने की अपील कर रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को सिन्हा ने तमिलनाडू में विधायकों से संवाद किया। सिन्हा के रायपुर दौरे को देखते हुए शुक्रवार को कांग्रेस के विधायकों और सांसदों की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया भी शामिल होंगे।

वृक्षारोपण.. रायपुर नगर निगम अंतर्गत पौधा के लिए +91-7587011614 पर व्हाट्सअप से कर सकते हैं संपर्क

'तुंहर पौधा तुंहर द्वार' कार्यक्रम का शुभारंभ: वन मंत्री अकबर ने हरियाली प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वच्छ वातावरण तथा वृक्षारोपण के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री छत्तीसगढ़ में स्वच्छ वातावरण तथा वृक्षारोपण के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने आज 'तुंहर पौधा तुंहर द्वार' कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उन्होंने इसका शुभारंभ राजधानी के शंकर नगर स्थित अपने निवास कार्यालय में विविध प्रजातियों के पौधों से भरे दो हरियाली प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया। वन विभाग द्वारा विशेष पहल करते हुए 'पौधा तुंहर द्वार' योजना के तहत घर तक नि:शुल्क पौधा पहुंचाकर दिया जा रहा है। इस दौरान वन विभाग रायपुर द्वारा बताया गया कि पौधा तुंहर द्वार योजना के तहत नगर निगम क्षेत्र रायपुर में 1 से 5 पौधा प्रदाय किया जाएगा। इसमें इच्छुक व्यक्ति, जो पौधों का रोपण करना चाहते हैं, तो वे घर पहुंच पौधा प्रदाय हेतु वितरण प्रभारी को 7587011614 पर व्हाट्सअप के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री राकेश चतुर्वेदी, प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज संघ श्री संजय शुक्ला, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री जे.एस.म्हस्के, मुख्य वन संरक्षक रायपुर श्री जे.आर. नायक तथा वन मण्डाधिकारी रायपुर श्री विश्वेष झा सहित विभागीय अधिकारी और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जोहार छत्तीसगढ़ विशेष खबर

छत्तीसगढ़ में बढ़ने लगा कोरोना का संक्रमण

24 घंटे में 167 नए मरीज मिले, एक की मौत, प्रदेश में एक्टिव केस 933

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमितों की बढ़ती संख्या ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। गुरुवार को प्रदेश में 167 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 933 पहुंच गई है। कोरोना से रायपुर में एक की मौत भी हुई है। सबसे ज्यादा 255 रायपुर व 182 एक्टिव केस दुर्ग जिले में हैं। राज्य शासन ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए प्रदेश के सभी एयरपोर्ट व राज्य की सीमाओं पर कोविड जांच अनिवार्य कर दिया है। इधर मुख्य सचिव ने वैक्सीनेशन में तेजी लाने और कोविड गाइडलाइंस का सख्ती से पालन कराने अफसरों को निर्देश दिए हैं। राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के मुताबिक गुरुवार को 13 हजार 384 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें 167 नए संक्रमित मिले हैं। रायपुर जिले में सबसे ज्यादा 55 मरीज मिले हैं। पिछले 24 घंटे में 93 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है, जबकि 1 मरीज हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हुआ है। प्रदेश के 3 जिलों गरियाबंद, सुकमा और नारायणपुर में एक भी कोविड मरीज नहीं है। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 1.04त्न से बढ़कर 1.25त्न हो गई है। छत्तीसगढ़ में कोरोना से अब तक 14 हजार 37 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं अब तक 11 लाख 54 हजार 346 लोग संक्रमित हो चुके हैं।

महाराष्ट्र का सियासी ड्रामा: लेकिन हार कर भी जीत गए उद्धव ठाकरे

सियासत और कुर्सी का खेल भी बेहद दिलचस्प होता है। यहां जो दिखता है वह होता नहीं है और जो होता है वह दिखता नहीं है। महाराष्ट्र में भले ही इसे भाजपा का खेल माना जा रहा हो, लेकिन इस पूरे ड्रामे की स्क्रिप्ट कहीं न कहीं शिवसेना और उद्धव ठाकरे ने ही लिखी है। एकनाथ शिंदे को अपनी जगह कुर्सी पर बिठाकर ठाकरे ने शरद पवार जैसे सियासी दिग्गज को भी चित कर दिया और शिवसेना को अपने स्वाभाविक दोस्त भाजपा के साथ वापस पहुंचा दिया।

इस पूरे ड्रामे में देवेंद्र फडनवीस जितना खुश हो रहे थे, भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने फिलहाल उन्हें सब्र करने के लिए मजबूर कर दिया है। याद कीजिए आज से ढाई साल पहले महाराष्ट्र चुनाव नतीजे आने के बाद किस तरह मुख्यमंत्री पद शिवसेना को दिलाने के लिए चौसर बिछाई गई और अजीत पवार की कथित बगावत के बाद किस तरह फडनवीस फिर से मुख्यमंत्री बनकर भी पांच दिनों में ही कुर्सी छोड़ने को मजबूर हो गए। उनकी जिद की वजह से शिवसेना ने अपनी स्वाभाविक हमराही भाजपा को छोड़कर एनसीपी और कांग्रेस का दामन थाम लिया था। पिछली फडनवीस सरकार में रहते हुए शिवसेना कैसे फडनवीस के खिलाफ लगातार मोर्चा खोलती रही थी और चुनाव से पहले ही अकेले लड़ने की धमकी दे चुकी थी, बल्कि गोवा में अकेले लड़ भी चुकी थी। गोवा में 2017 में शिवसेना के अलग लड़ने और करारी हार का हवाला देते हुए अमित शाह ने आखिरी वक्त में महाराष्ट्र में शिवसेना को साथ लड़ने और गठबंधन न तोड़ने के लिए मना लिया था। शर्त यही थी कि मुख्यमंत्री शिवसेना का होगा। लेकिन नतीजे आने के बाद हालात बदल गए। भाजपा संख्या के लिहाज़ से सबसे बड़ी पार्टी रही और देवेंद्र फडनवीस ये मानने को कतई तैयार नहीं हुए कि मुख्यमंत्री उनकी जगह शिवसेना का बन जाए। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व असमंजस में रहा और आखिरकार पांच ही दिन बाद फडनवीस को हटाकर शिवसेना के सीएम के नाम पर उद्धव ठाकरे ने एनसीपी और कांग्रेस के साथ मिलकर महाराष्ट्र विकास आघाड़ी (एमवीए) की सरकार बना ली। इस अघोषित शर्त पर कि उद्धव ढाई साल के लिए सीएम बनेंगे और उसके बाद एनसीपी का कोई नेता ये जिम्मेदारी संभालेगा। यानी ढाई-ढाई साल का फॉर्मूला तय हुआ। हालांकि जब मौजूदा संकट गहराने लगा तो शरद पवार ने ऐसे किसी फॉर्मूले से इनकार कर दिया। दरअसल गठबंधन की राजनीति और कुर्सी के खेल में ये रवायत नई नहीं है।

> दरअसल गठबंधन की राजनीति और कुर्सी के खेल में ये रवायत नई नहीं है। शिवसेना ने फडनवीस से अपनी नाराज़गी की वजह से बेहद भारी मन से भाजपा का 30 साल पुराना साथ छोड़ा था, लेकिन देर-सवेर उसे वैचारिक रूप से सबसे करीब भाजपा के साथ आना ही था। रास्ते का रोड़ा सिर्फ और सिर्फ फडनवीस रहे और उनका अहंकार रहा...

शिवसेना ने फडनवीस से अपनी नाराज़गी की वजह से बेहद भारी मन से भाजपा का 30 साल पुराना साथ छोड़ा था, लेकिन देर-सवेर उसे वैचारिक रूप से सबसे करीब भाजपा के साथ आना ही था। रास्ते का रोड़ा सिर्फ और सिर्फ फडनवीस रहे और उनका अहंकार रहा। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व शुरू से ही इस बात को अच्छी तरह जानता था और सही वक्त का इंतज़ार कर रहा था। ऐसे में एकनाथ शिंदे को इस पूरे खेल का मोहरा बनाया गया, जिससे सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। इन ढाई सालों में फडनवीस और उद्धव की दूरियां और बढ़ीं, लेकिन उद्धव ठाकरे ने कभी भी आक्रामक तरीके से मोदी सरकार या भाजपा का विरोध नहीं किया। मुख्यमंत्री बनने की उनकी ख्वाहिश भी पूरी हो गई और अपने आदमी को ही प्रदेश की बागडोर सौंपने में वो कामयाब भी हो गए। गौर कीजिए। एकनाथ शिंदे ने कभी खुलकर उद्धव ठाकरे का विरोध नहीं किया। वे आखिरी वक्त तक ठाकरे के सबसे करीब और प्रमुख मंत्रियों में रहे। यह ड्रामा शुरू भी तब हुआ जब ठाकरे ने अपने ढाई साल का कार्यकाल पूरा कर लिया। अगली दावेदारी के लिए एनसीपी के साथ विवाद शुरू हो, इससे पहले शिवसेना के तमाम विधायक इस रणनीति के तहत शिंदे के साथ अलग होने का स्वांग करते रहे मानो वे पार्टी छोड़ रहे हों या भाजपा में जा रहे हों। इसे लेकर तकनीकी बहसें चलती रहीं, शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत से अनर्गल बयान दिलवाए जाते रहे ताकि मीडिया इस तल्खी को और बढ़ाती हुई दिखे। अलग गुट या असली शिवसेना कौन जैसे मुद्दे उठाए जाते रहे, दावे किए जाते रहे और मामला सुप्रीम कोर्ट तक खींचा गया, ताकि मामला लंबा चले और इस बीच मकसद हासिल कर लिया जाए। अगर ऐसा नहीं होता तो उद्धव इस पूरे ड्रामे की शुरुआत में ही बगैर इस्तीफा दिए मुख्यमंत्री आवास क्यों छोड़ देते, वापस मातोश्री क्यों चले जाते, क्यों ये लगातार कहते कि सारे विधायक उनसे संपर्क में हैं और क्यों कभी खुलकर एकनाथ शिंदे के बारे में कोई भी नकारात्मक बयान नहीं देते।

अतुल सिन्हा

संपादकीय

दुःस्वप्न का साकार होना

यह यक्ष प्रश्न हमारे सामने खड़ा है कि हम अपने देश का क्या करना चाहते हैं? हम इसे प्रगति के रास्ते पर ले जाना चाहते हैं या इसे निरंतर युद्ध की मानसिकता में धकेल कर अप्रिय घटनाओं की स्थिति बनाए रखना चाहते हैं? जो आशंकाएं मन में घुमड़ रही हों, अगर वो सच होने लगें, तो जाहिर है, उसमें कोई आश्चर्य तो नहीं होता, लेकिन उससे पैदा होने वाली व्यग्रता अंदर तक जख्मी करती है। उदयपुर की घटना कुछ इसी तरह की है। धार्मिक उन्माद में की गई जघन्य हत्या भारत में बन रहे खतरनाक माहौल का ही एक संकेत है। जब भावनाएं लगातार उबलती रहें, तो उनके कहीं विस्फोट होने की गुंजाइश भी लगातार बनी रहती है। राजस्थान पुलिस की इस बात के लिए तारीफ करनी होगी कि उसने आरोपियों को अविलंब पकड़ लिया। राजस्थान सरकार ने स्थिति को काबू में रखने के लिए जो चुस्ती और परिपक्वता दिखाई, उसकी भी प्रशंसा होनी चाहिए। लेकिन अगर तमाम राजनीतिक शक्तियों ने इस घटना के बाद जिम्मेदारी का परिचय नहीं दिया और इस घटना का इस्तेमाल भी सियासी रोटी सेंकने में जुट गईं, तो फिर इस समय तमाम विवेकशील लोग जिन दु-स्वप्नों को जी रहे हैं, उनके सच हो जाने की परिस्थितियां और गंभीर रूप में सामने आ सकती हैं। यह यक्ष प्रश्न हमारे सामने खड़ा है कि हम अपने देश का क्या करना चाहते हैं? हम फिर से इसे प्रगति और विकास के रास्ते पर ले जाना चाहते हैं या इसे निरंतर युद्ध की मानसिकता में धकेल कर उदयपुर जैसी घटनाओं की स्थिति बनाए रखना चाहते हैं? कभी समझा जाता था कि मजहबी और अन्य भावनात्मक मुद्दों का इस्तेमाल राजनीतिक पार्टियां सत्ता पाने के लिए करती हैं- लेकिन जब एक बार सत्ता मिल जाती है, तो फिर वे उदार रुख अपना कर पहले भड़काई गई भावनाओं को काबू में ले आती हैं।

डॉक्टर-मरीज के बीच विश्वास , मौजूदा हालात चुनौतीपूर्ण

चिकित्सा को हमेशा से एक नोबल पेशे में गिना गया है। सहज शब्दों में कहें तो एक ऐसा पेशा जहां आपके हाथ में ईश्वर सुपर पॉवर दे देता है। इसे चाहे आस्था कहें, विश्वास कहें या चमत्कार, चिकित्सा जगत में ऐसे कई घटनाक्रम आम हैं जहां गम्भीर बीमारी या दुर्घटना से जूझ रहा व्यक्ति भी मौत के मुंह से वापस आ जाता है। इसमें ईश्वर की माया के साथ डॉक्टर की काबिलियत और खुद मरीज का विश्वास भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

गौर कीजिएगा कि यहां डॉक्टर की काबिलियत भी उपरोक्त दो चीजों के साथ जुड़ी है। कोई भी डॉक्टर आपको यह गारंटी नही दे सकता कि वह आपको चमत्कारी रूप से स्वस्थ कर देगा। यह आपका उसके प्रति विश्वास होता है जिसको बनाए रखने के लिए वह खुद को झोंक देता है। ऐसे में बिना गलती अगर डॉक्टर्स को ही हर बात के लिए दोषी ठहराया जाए तो क्या ये नाइंसाफी नहीं होगी?

मेरे बेटे के पीडियाट्रिशियन के क्लिनिक के ठीक पास एक खोमचे वाला चाट और पानी पूरी बेचता है। अक्सर उस जगह पर कॉलेज स्कूल के विद्यार्थियों की भीड़ लगी रहती है क्योंकि वहां आस पास-कई शिक्षण संस्थान हैं, ये तो हुई आम बात। क्लिनिक का समय आमतौर पर शाम का होता है जो कि डिनर का भी समय होता है। मैंने ये अनुभव किया है कि जो पैरेंट्स अपने बीमार बच्चों को लेकर आते हैं वे अक्सर डॉक्टर साहब का इंतज़ार करते हुए या चेकअप के बाद जाते समय खुद तो उस खोमचे से लेकर चीजें खाते ही हैं, बीमार बच्चे को खिलाने से भी नही हिचकते।

15 मिनिट पहले जिस बच्चे को डॉक्टर ने ठंडी-चटपटी चीजें खाने से परहेज करने को कहा, वो अपने ही माता पिता की छत्रछाया में पानी पूरी खा रहा होता है। वो भी डिनर की जगह, अब अगर बच्चा ठीक न हो, उसकी तबियत ठीक न हो तो सारा दोष डॉक्टर का। बिना पलक झपके डॉक्टर को खराब बता दिया जाता है।

> चिकित्सा को हमेशा से एक नोबल पेशे में गिना गया है। सहज शब्दों में कहें तो एक ऐसा पेशा जहां आपके हाथ में ईश्वर सुपर पॉवर दे देता है। इसे चाहे आस्था कहें, विश्वास कहें या चमत्कार, चिकित्सा जगत में ऐसे कई घटना म आम हैं जहां गम्भीर बीमारी या दुर्घटना से जूझ रहा व्यक्ति भी मौत के मुंह से वापस आ जाता है। इसमे ईश्वर की माया के साथ डॉक्टर की काबिलियत और खुद मरीज का विश्वास भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यहां उस गरीब खोमचे वाले को भी दोष देने का मतलब नहीं क्योंकि उसने आपको कसम नहीं दी कि मेरे खोमचे का खर्चा आपसे ही चलता है, कसम है कुछ तो खा जाओ, उसे तो शायद ये भी नहीं पता कि आप डॉक्टर के पास से चेकअप करवा कर आ रहे हैं?

यह सच है कि आज भारत में कम प्रशिक्षित डॉक्टर्स व फर्जी डिग्रीधारियों की संख्या और बढ़ी है। यह भी सच है कि जांच और इलाज के नाम पर लाखों रुपए ऐंठ लेने वाले अस्पताल भी खड़े हुए हैं लेकिन इन दोनों की ही सबसे बड़ी कीमत जो चुका रहा है, वह है एक अच्छा प्रोफेशनल जो अच्छा इंसान भी है। जो अपने अनुभव और प्रशिक्षण के बल पर मरीज़ों को सेवा देने को आतुर है। अब आते हैं उस पक्ष पर जिसकी आमतौर पर लोग शिकायत करते हैं। यहां दो बातें गौर कीजिए। पहली चीज है चिकित्सा सम्बन्धी जानकारी का असंतुलन। यह हमारे देश की सबसे बड़ी विडंबना है। वर्तमान में दो तरह के लोग हमारे देश मे हैं। एक वे जो बिना जानकारी अपने मन से दवाएं लेते हैं और बीमारी बिगड़ने पर डॉक्टर के पास पहुंचते हैं। दूसरे वे जो इंटरनेट पर बीमारियों के बारे में पढ़कर खुद डॉक्टर बनकर डॉक्टर के पास पहुंचते हैं, और अपने अधूरे ज्ञान के दम पर वे डॉक्टर के इलाज में ही कमी निकालने लगते हैं। इन सबसे इतर खतरा यहां भी है कि चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी हर तकनीक, दवाओं व अन्य सुविधाओं के बारे में न तो आमजन को सहज जानकारी ही होती है, न ही उन तक आसान पहुंच ही होती है। इसलिए सही प्रोफेशनल तक पहुंचने में ही काफी वक्त बर्बाद हो जाता है।

स्वाति शैवाल

मिला जुला

एससी का आदेश- टीवी पर माफी मांगें नूपुर

नई दिल्ली(एजेंसी)। पैगंबर पर विवादित बयान देने के लिए नूपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि देशभर में अशांति फैल गई है। देश में जो कुछ भी हो रहा है, उसकी जिम्मेदार नूपुर ही हैं। उन्होंने अपने बयान से देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया है। कोर्ट ने उन्हें टीवी पर आकर देश से माफी मांगने को कहा।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने उदयपुर हत्याकांड का जिक्र भी किया। कोर्ट ने कहा- नूपुर ने अपनी बदजुबानी के साथ गैर जिम्मेदाराना बातें कहीं, बिना ये सोचे कि इसका अंजाम क्या होगा। दो जजों की बेंच ने कहा कि नूपुर ने टेलीविजन पर धर्म विशेष के खिलाफ उकसाने वाली टिप्पणी की। उन्होंने इस पर शर्तों के साथ ही माफी मांगी, वह भी तब, जब लोगों का गुस्सा भड़क चुका था। यह उनकी जिद और घमंड को दिखाता है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट रूम में क्या हुआ.....

नूपुर के वकील- वह जांच में शामिल हो रही हैं। वह कहीं भाग नहीं रहीं।

सुप्रीम कोर्ट- क्या आपके लिए यहां रेड कारपेट होना चाहिए। जब आप किसी के खिलाफ शिकायत करती हैं, तो उस व्यक्ति को अरेस्ट कर लिया जाता है। आपके दबदबे की वजह से कोई भी आपको छूने की हिम्मत नहीं करता। इससे क्या फर्क पड़ता है कि आप एक पार्टी की प्रवक्ता हैं। आप सोचती हैं कि आपके पास सत्ता का समर्थन है और आप कानून के खिलाफ जाकर कुछ भी बोल सकती हैं।%

नूपुर के वकील- नूपुर को धमकियां मिल रही हैं। उनके लिए इस समय यात्रा करना सुरक्षित नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट- नूपुर को धमकियां मिल रही हैं या वे खुद सुरक्षा के लिए खतरा हैं? देश में जो कुछ हो रहा है, उसके लिए वही जिम्मेदार हैं।

सुप्रीम कोर्ट- पैगंबर के खिलाफ नूपुर शर्मा की टिप्पणी या तो सस्ते प्रचार, राजनीतिक एजेंडे या कुछ नापाक गतिविधियों के लिए की गई थी। ये धार्मिक लोग नहीं हैं और भड़काने के लिए ही बयान देते हैं। ऐसे लोग दूसरे धर्म की इज्जत नहीं करते।

पैगंबर पर टिप्पणी के लिए नूपुर शर्मा को टीवी पर पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। पैगंबर पर टिप्पणी मामले में बीजेपी से निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई है. सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर शर्मा को पूरे देश से माफी मांगने के लिए कहा है. साथ ही कोर्ट ने केस ट्रांसफर करने वाली याचिका को भी खारिज कर दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें हाई कोर्ट जाने के लिए कहा है। शुक्रवार को नूपुर शर्मा द्वारा पैगंबर को लेकर की गई टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की. नूपुर की ट्रांसफर अर्जी पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उनकी टिप्पणी ने देश भर में लोगों की भावनाओं को भड़का दिया है. आज जो कुछ देश में हो रहा है, उसके लिए वो जिम्मेदार हैं। कोर्ट ने कहा कि हमने डिबेट को देखा है, उसको

भड़काने की कोशिश की. लेकिन उसके बाद उन्होंने जो कुछ कहा, वो और ज्यादा शर्मनाक है. नूपुर शर्मा और उनकी हल्की जबान ने पूरे देश में आग लगा दी है. वो उदयपुर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए जिम्मेदार हैं. नूपुर शर्मा को टीवी पर आकर माफी मांगनी चाहिए। वकील ने जब उनकी क्षमायाचना और पैगंबर पर की गई टिप्पणियों को विनम्रता के साथ वापस लेने की दुहाई दी तो पीठ ने कहा कि वापस लेने में बहुत देर हो चुकी थी. SC ने कहा कि उनकी शिकायत पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. लेकिन कई FIR के बावजूद उन्हें अभी तक दिल्ली पुलिस ने उनको छुआ तक नहीं है।

एक नजर

उद्धव सरकार गिरते ही शरद पवार को आयकर विभाग का नोटिस

मुंबई। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी सरकार के जाते ही एनसीपी प्रमुख शरद पवार को आयकर विभाग की ओर से नोटिस भेजा गया है. यह नोटिस चुनावी हलफनामों को लेकर है. आईटी मुंबई ने अबतक नोटिस का खंडन नहीं किया है। एनसीपी के चीफ प्रवक्ता महेश भारत तपासे ने ट्वीट कर इस बारे में जानकारी दी है. उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि महाराष्ट्र सरकार में बदलाव के तुरंत बाद शरद पवार को 2004, 2009, 2014 और 2020 के चुनावी हलफनामों के लिए आयकर विभाग नोटिस देता है. क्या ये विशुद्ध रूप से संयोग है या कुछ और इस खबर के बारे में आईटी मुंबई ने अब तक खंडन नहीं किया है।

आजमगढ़ और रामपुर में हार के बाद अखिलेश यादव को एक और झटका

नोएडा। समाजवादी पार्टी का गढ़ मानी जाने वाली रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा सीट पर हार के बाद अखिलेश यादव को अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश में करारा झटका लगा है। फेडरेशन आफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने समाजवादी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। नोएडा सीट से विधानसभा चुनाव में सपा के प्रत्याशी की हार के बाद दूसरी बार पार्टी को बड़ा झटका लगा है।

पत्रकार आवास हेतु भूमि की मांग का आवेदन कलेक्टर ने किया निरस्त

समस्त पत्रकारों के लिए सुव्यवस्थित भूमि की जाएगी चिन्हित।

जोहार छत्तीसगढ़- महासमुंद।

प्रेस क्लब द्वारा पत्रकार गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित मचेवा के पंजीयन के आधार पर शासन प्रशासन से ग्राम पंचायत मचेवा में शासकीय भूमि आबंटन की मांग करते हुए आवेदन दिया था, जिसे जिला प्रशासन ने चार बिंदुओं को आधार मानकर आवेदन निरस्त कर दिया है।

प्रेस क्लब महासमुंद के पदाधिकारियों द्वारा शासन प्रशासन से प्रिंट मीडिया के पत्रकारों के लिए आवास हेतु ग्राम पंचायत मचेवा के शासकीय भूमि खसरा नंबर 193/2, रकबा 0.38 हेक्टेयर को आबंटन के लिए मांग करते हुए आवेदन दिया था। इसके लिए बाकायदा पदाधिकारियों ने पत्रकार गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित मचेवा के नाम से समिति का पंजीयन भी कराया था। जिस भूमि की मांग की थी उसे लेकर ग्रामीण एवं इलेक्ट्रॉनिक तथा वेब पोर्टल के पत्रकारों ने आपत्ति दर्ज कराई थी। जिसके बाद प्रशासन संज्ञान लेते हुए इसकी पुनः जांच करने के पश्चात बहुत सी खामियां पाई गई। इसके बाद प्रशासन ने चार बिंदुओं के आधार पर आवेदन पत्र को निरस्त कर दिया है।

इनमें सहायक संचालक नगर तथा ग्राम निवेश क्षेत्रीय कार्यालय महासमुंद का पत्र क्रमांक 1126 21-09-2021 के अनुसार समिति द्वारा मांग की गई भूमि के भाग प्रस्तावित चौड़ाई 30.0 मीटर सड़क प्रयोजन हेतु लेख है। इस प्रकार उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं महासमुंद द्वारा अनुमोदित पत्रकार गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित मचेवा को प्राप्त उपविधि में उल्लेखित उपविधि क्रमांक -03- उपदेश की कंडिका श्कश् एवं उपविधि क्रमांक -5 सदस्यता की कंडिका श्अश् (1) (12), 5 (अ) 10 उपविधि क्रमांक 7 (1) से 7 (ब) व उपविधि क्रमांक 08 (2) एवं 9 (1) तथा उपविधि क्रमांक 29 में भी निर्देशित है। किन्तु, प्रेस क्लब पत्रकार कॉलोनी मचेवा द्वारा प्राप्त आवेदन पत्र और उपरोक्त उपविधियों में विरोधाभास है। इसी तरह प्रशासन ने कहा कि बैलाज के अनुसार पत्रकार कॉलोनी हेतु भूमि इनके अपने कार्य क्षेत्र के अंदर शासकीय आबादी भूमि या ग्राम आबादी भूमि में किया जाना है किंतु समिति द्वारा ग्राम मचेवा में स्थित शासकीय गांव मध्य की भूमि खसरा नंबर 193/2, रखबा 0.38 हेक्टेयर का आबंटन करने मांग किया है। प्रशासन ने यह कहते हुए निरस्त किया है कि बैलाज के अनुसार समिति का सदस्यों सहित कार्यक्षेत्र ग्राम पंचायत मचेवा तक सीमित होना चाहिए। किंतु आवेदक द्वारा अब तक यह साबित नहीं किया गया है कि समिति के सदस्यगण ग्राम पंचायत मचेवा के क्षेत्रतंर्गत कार्य करते हैं या नहीं ? उपरोक्त कारणों के आधार पर पत्रकार गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित मचेवा द्वारा प्रस्तुत भूमि आबंटन आवेदन पत्र निरस्त किया है। कलेक्टर निलेश कुमार क्षीरसागर ने कहा कि, सुव्यवस्थित 8-10 एकड़ भूमि चिंहित कर सभी पत्रकारों को इसका लाभ दिया जाएगा। जिसकी घोषणा मुख्यमंत्री के द्वारा महासमुंद आगमन पर किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री करेंगे घोषणा

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया पर किया मानहानि का मुकदमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर मानहानि का मुकदमा किया है. मिली जानकारी अनुसार प्रदेश के कामरूप ग्रामीण जिला के सीजेएम कोर्ट में 30 जून को मानहानि का मुकदमा दायर किया गया है. दरअसल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा 4 जून को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने आरोप लगाया था कि असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां के स्वामित्व वाली जेसीबी कंपनियों ने कोविड के दौरान पीपीई किट की निविदा प्रक्रिया में हेरफेर किया था. इसी बात से नाराज मुख्यमंत्री ने मानहानि का केस किया है.

मुख्यमंत्री की पत्नी ने भी किया है मुकदमा- अगर मानहानि साबित हुआ तो सिसोदिया को 2 साल तक की सजा भुगतनी होगी. मिली जानकारी अनुसार 30 जून को मामला दर्ज किया गया है. अदालत ने हिमंत बिस्वा सरमा की प्रारंभिक गवाही के लिए 22 जुलाई की तारीख तय की है. गौरतलब है कि इससे पहले रिंकी भुइयां सरमा ने मनीष सिसोदिया के खिलाफ दीवानी मानहानि का मुकदमा दायर किया था.

मुख्य कार्यपालन अधिकारी केएस मण्डावी को सेवानिवृत्त होने पर दी गई विदाई

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुर।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी केएस मण्डावी को 30 जून अधिवार्षिक आयु पूर्ण होने पर एक सादे समारोह में जिला प्रशासन और जिला पंचायत के अधिकारी-कर्मचारियों ने विदाई समारोह का आयोजन किया गया था। मण्डावी को साल, श्रीफ ल और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रायमुनी भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष उपेन्द्र यादव, अपर कलेक्टर आईएल ठाकुरए प्रभारी जिला पंचायत सीईओ अजय लकड़ा, सयुक्त कलेक्टर सचिन भुतड़ा सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, जिला पंचायत एवं जनपद के सदस्यगण, अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला पंचायत की अध्यक्ष रायमुनी भगत ने मण्डावी को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जशपुर जिले में 3 साल का आपका कार्यकाल बेहतरीन रहा। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच आप ने अच्छा ताल-मेल बनाकर समस्याओं का समाधान करते थे। अपने कार्यों को गंभीरता से करने के साथ ही सहज, सरल और सभी से आत्मीयता से मिलते थे यह आपकी खूबी रही है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष उपेन्द्र यादव ने भी अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपका कार्यकाल बेहतर रहा और सभी से तालमेल बनाकर अपने कार्यो का निर्वहन किया गया है। अपर कलेक्टर आईएल ठाकुर ने अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजस्व विभाग में भी आपको कार्य करने का अवसर मिला और आपने तहसीलदार से लेकर संयुक्त कलेक्टर, अपर कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ तक के कार्यों का अच्छा अनुभव रहा है। आपके मार्गदर्शन में राजस्व विभाग से संबंधित कई प्रकरणों को आपने समय.सीमा में निराकरण किया है। प्रभारी जिला पंचायत सीईओ अजय लकड़ा और संयुक्त कलेक्टर संचिन भुतड़ा ने भी शुभकामनाएं देते हुए अपने विचार व्यक्त किए। सारंगढ़ से आए उनके मित्र अरूण गुडु ने भी अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनके कार्यो का अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा कि मण्डावी सहज सरल और अपने कार्यो को समर्पित भावना से हमेशा से ही करते आ रहें हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी केएस मण्डावी ने अपने विदाई समारोह को संबोधन करते हुए कहा कि जशपुर जिले में लगभग 3 साल का कार्यकाल बेहतरीन रहा। सभी वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारियों का सहयोग मिला है इसके लिए सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि अधिकारी कर्मचारी अपने समय का अनिवार्य रूप से पालन करें और निर्धारित समय में अपने कार्यो को निपटाए। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि राजस्व विभाग में कार्यकाल के दौरान कभी भी राजस्व बस्ता लेकर घर नहीं गए हैं। किसी भी कार्य को करने के लिए धैर्य बहुत जरूरी है।

वाहन द्वारा घर पहुंच नि:शुल्क पौधा वितरण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

वाहन द्वारा घर पहुंच नि:शुल्क पौधा वितरण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ जनप्रतिनिधि ने हरी झंडी दिखाकर वाहन को किया रवाना। सुकमा जिले में विभिन्न प्रजातियों के सैकड़ों पौधों रोपण करने का लक्ष्य। वाहन द्वारा घर पहुंच नि:शुल्क पौधा वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ जनप्रतिनिधि ने हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया।

सैकड़ों पौधों का रोपण करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर वाहन द्वारा घर पहुंच नि:शुल्क पौधा वितरण कार्यक्रम का आज डिवीजन आफि स में कवाशी हरिश जिला पंचायत अध्यक्ष व राजू साहू नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया गया। योजना में मनरेगा से पौधा तैयार कर नि:शुल्क पौधा वितरण योजना में वन महोत्सव के दौरान, वन विभाग द्वारा वाहन से घर पहुंचा कर नि:शुल्क पौधा प्रदाय योजना में पौधा, मुक्तिधाम, श्मशान घाट, कब्रिस्तान, रोड किनारे गोठान-चारागाह पर थाना, अस्पताल, आंगनवाड़ी, पंचायत भवन, न्यायालय, स्कूल-कॉलेज, आश्रम छात्रावास में रोपण हेतु नि:शुल्क वितरित किए जाएंगे। इसी प्रकार वन विभाग नर्सरी में अमरुद, कटहल, आम, जामुन, महुआ, बादाम, नींबू, बांस, आंवला, मुनगा, करंज, नीम, हर्रा, पपीता, सीताफ्ल, बेल, गुलमोहर, पेलटाफॉर्म, सफेद शिरीश, केशिया, कचनार, अमलतास, अनार, अर्जुन, सागौन, बकैन, जंगल जलेबी, रामफ्ल, कुल्लू कुसु, मुंडी, पीपल, शीशमए सिस्सू, इमली, बहेड़ा, आदि प्रजातियों के पौधे उपलब्ध हैं।

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुर।

कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल ने आज जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय के ओपीडी, महिला एवं पुरूष वार्ड, विभिन्न लैब सहित पूरे परिसर का अवलोकन किया। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करने एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने केंद्र में भर्ती मरीजों से स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी लेते हुए मरीजों की सुविधाओं का ख्याल रखने की बात कही। जिससे उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने सभी डॉक्टर सहित अन्य स्टॉफको अपने कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने एवं समय पर उपस्थित होकर अपनी कर्तव्यों का पालन करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रंजीत टोप्पो, सिविल सर्जन डॉ. आर एन केरकेट्टा, डीपीएम सुश्री स्मृति एक्का सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रभावी संचालन के लिए नियमित रूप से बैठकें एवं कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कहा। जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो सके। उन्होंने आयुष्मान कार्ड निर्माण के संबंध में जानकारी लेते हुए निर्माण में प्रगति लाने एवं जिले में शत प्रतिशत लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाना सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। पोषण पुनर्वास केन्द्र का अवलोकन करते हुए उन्होंने एनिमिया मुक्त जशपुर अभियान को प्राथमिकता से संचालित करने की बात कही। साथ ही जिले में कुपोषण स्तर में कमी एवं शिशु व मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए भी विशेष प्रयास करने के लिए कहा। इस दौरान कलेक्टर ने अस्पताल परिसर में निर्मित किए जा रहे आईसोलेशन वार्ड का भी निरीक्षण करते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाने एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने फसल बीमा के प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुर।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत खरीफ 2022 में कृषकों के मध्य जन जागरूकता तथा अधिक से अधिक कृषकों को बीमा आवरण का लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल ने आज जिला कलेक्टोरेट के प्रांगण में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार रथ 15 जुलाई 2022 तक जिले के सभी विकासखण्डों के ग्राम पंचायतों हाट.बाजारों में घूम घूम कर फसल बीमा की योजना का प्रचार प्रसार करेगा। कलेक्टर ने जिले के अधिक से अधिक किसानों से फसलों का बीमा कराने का आग्रह किया साथ ही योजना से जुडे सभी स्टेक होल्डर्स को समन्वय कर फसल बीमा सप्ताह के सफ्ल संचालन एवं योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कृषि विभाग के उप संचालक एमआर भगत भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसल हेतु अधिसूचित फ सल यथा सिंचित, असिंचित धान, मक्का, अरहर, मूंग, मूंगफ्ली, सोयाबीन और उड़द फसल का बीमा कराया जा रहा है। इन फसलों का ओलावृष्टि, भूस्खलन, जल भराव, बादल फटने, आकाशीय बिजली जैसे प्राकृतिक आपदाओं, कीट एवं रोगों के परिणाम स्वरूप अधिसूचित फसलों के नष्ट होने की स्थिति में किसानों को बीमा का लाभ दिया जाएगा। यह बीमा बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा की जायेगी। खरीफ फसल के लिए कृषक द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का 2 प्रतिशत है। मक्का के लिए बीमित राशि प्रति हेक्टेयर 30 हजार और किसान द्वारा देय प्रीमियम प्रति हेक्टेयर 600 रूपये है। इसी प्रकार धान असिंचित के लिए बीमित राशि प्रति हेक्टेयर 33 हजार व किसान द्वारा देय प्रीमियम प्रति हेक्टेयर 660 रूपये, धान सिंचित के लिए बीमित राशि प्रति हेक्टेयर 43 हजार व किसान द्वारा देय प्रीमियम प्रति हेक्टेयर 860 रूपयेए उड़द के लिए बीमित राशि प्रति हेक्टेयर 15600 हजार व देय प्रीमियम प्रति हेक्टेयर 312 रूपये, अरहर के लिए बीमित राशि प्रति हेक्टेयर 19560 रुपए देय प्रीमियम प्रति हेक्टेयर 391.20 रूपये एवं मूंगफ्ली के लिए बीमित राशि प्रति हेक्टेयर 42000 व देय प्रीमियम प्रति हेक्टेयर 840 रूपये निर्धारित है। योजनांतर्गत ऋणी कृषक अनिवार्य रूप से एवं अऋणी कृषक ऐच्छिक रूप से लाभ ले सकते हैं।

पंजीकरण के लिए अंतिम तिथि 15 जुलाई 2022 नियत है। कृषक नजदीकी बैंक शाखा, प्राथमिक कृषि सेवा सहकारी समिति, लोक सेवा केंद्र, बीमा कंपनी या पोस्ट ऑफिस के माध्यम से अपनी फसलों का बीमा करवा सकते हैं। किसान अधिक जानकारी एवं समस्या निवारण हेतु कृषि विभाग, बीमा एजेंसी एवं अपने बैंक की शाखा से संपर्क कर सकते हैं साथ ही फॉर्ममित्र मोबाईल एप्प पर योजना की जानकारी या टोल फ्री नंबर 1800 209 5959 से संपर्क कर प्राप्त कर सकते है।

शासकीय कन्या.उ.माध्यमिकविद्यालय में शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

कोटा शासकीय.कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शासन-प्रशासन के निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार शाला प्रवेश उत्सव 2022-23 कार्यक्रम का आयोजन 30 जुन को संपन्न हुआ शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोटा के वर्तमान अध्यक्ष आदित्य दीक्षित उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे केआर साहू अध्यक्ष शाला प्रबंधन विकास समिति शासकीय कन्या विद्यालय कोटा प्राचार्य आशा दत्ता के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में वार्ड पार्षद रिद्धि सोना अग्रहरि, कुसुमलता सक्सेना, प्रदीप गुप्ता सदस्य, रामेश्वरी रजक विधायक प्रतिनिधि एवं सदस्य, घनश्याम तिवारी सदस्य, अरुण त्रिवेदी, प्रदीप परमार, आसाराम ध्रुव सरपंच ग्राम पंचायत धूमा, विकास तिवारी, संतोष बघेल सचिव जिला कमेटी एवं विद्यालय के समस्त व्याख्याता शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में स्कूल की छात्राएं कार्यक्रम में उपस्थित रहे कार्यक्रम का सफ ल संचालन डॉ. रामबाबू गुप्ता व्याख्याता द्वारा किया गया।

इस नए सत्र में डिजिटल क्लास व्यवसायिक कोर्स कृषि एवं ब्यूटी वेलनेस कोर्स की शुरुआत कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती पूजन, वंदना एवं राज्य गीत से शुरू हुआ तत्पश्चात प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के संदेश वाचन व्याख्याता डॉ. आरबी गुप्ता द्वारा किया गया कार्यक्रम के अवसर पर शासकीय कन्या शाला स्कूल की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत व आकर्षक छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य प्रस्तुत किया गया स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य आशा दत्ता ने विद्यालय की उपलब्धियों को बताते हुए कहा कि 2022-23 के नवीन सत्र से डिजिटल क्लास का प्रारम्भ होने के साथ नये भवन में भी कक्षा संचालित होने की बात बताई इसके अलावा स्कूल में व्यावसायिक कोर्स कृषि एवं ब्यूटी वेलनेस को छात्राओं के लिए बहुत उपयोगी बताया कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों द्वारा नवप्रवेशी छात्राओं को तिलक लगाकर मिठाई खिलाकर नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक प्रदान कर शाला प्रवेशोत्सव मनाया।

ग्राम पंचायत अमलोर को 26 लाख 50 हजार के विकास कार्यों की मिली सौगात

संसदीय सचिव ने किया विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

ग्राम पंचायत अमलोर में 26 लाख 50 हजार रुपए की लागत से विकास कार्यों की सौगात मिली है। संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। शुक्रवार को ग्राम पंचायत अमलोर में विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें ग्राम अमलोर में छह लाख की लागत से दो सामुदायिक भवन निर्माण, पांच लाख की लागत से आदिवासी भवन निर्माण, साढ़े छह लाख की लागत से पंचायत भवन में अहाता निर्माण तथा ग्राम केडियाडीह में दो लाख की लागत से रंगमंच निर्माण, एक लाख की लागत से सीसी रोड निर्माण व छह लाख की लागत से आंगनबाड़ी भवन निर्माण शामिल हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अमर चंद्राकर की। विशेष अतिथि के रूप में जनपद उपाध्यक्ष त्रिलोकी राधेश्याम ध्रुव, जनपद सदस्य अजय मंगल ध्रुव, भारत स्काउट गाइड के जिलाध्यक्ष दाऊलाल चंद्राकर, राधेलाल सिन्हा, राधेश्याम ध्रुव, सरपंच प्रतिनिधि जयप्रकाश यादव, बाबूलाल मौजूद थे। पूजा अर्चना पश्चात मुख्य अतिथि संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने विकास कार्यों के लिए भूमिपूजन किया। अपने संबोधन में संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने विकास कार्यों की सौगात मिलने पर बधाई देते हुए कहा कि महासमुंद विधानसभा क्षेत्र लगातार विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा व सिंचाई व्यवस्था को दुरूस्त करना उनकी पहली प्राथमिकता रही है। जिस पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में करोड़ों रूपए के विकास की सौगात दिलाने का प्रयास किया गया है। शहर सहित गांवों की तस्वीर बदलने के लिए करोड़ों की स्वीकृति दिलाई गई है। उन्होंने ग्रामीणों की मांगों पर हरसंभव पहल करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रामप्रसाद ध्रुव, हरख राम ध्रुव, कृष्ण कुमार ध्रुव, खिलावन निषाद, सदाराम निषाद, सियाराम निषाद, सुमित्रा बाई, गीता बाई, नान्हे दाऊ निषाद, रामलाल निषाद, ओमप्रकाश निषाद, बाबूलाल ध्रुव, शत्रुघन निषाद, उमेश निषाद, कमलनारायण ध्रुव, आशाराम खैरवार, मुकेश खैरवार, गिरजाशंकर निषाद आदि मौजूद थे।

एक नजर

सौत से मिलने मना करने पर पति ने कर दी पत्नी की हत्या

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद ।

पहली पत्नी ने दूसरी पत्नी के पास जाने से मना किया तो गुस्से में पति ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी पुलिस को मर्ग जांच पश्चात हुई। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ हत्या का जुर्म दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। घटना बीते 29 जून की बसना थाना क्षेत्र के ग्राम जटाकन्हार की है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहली पत्नी श्रीमती कुमारी निराला ने बुधवार शाम पति रामलाल निराला को दूसरी पत्नी के पास जाने से मना किया तो गुस्से में आकर रामलाल ने उसका गला दबा दिया जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया और दोनों के बीच विवाद के बाद हत्या की बात सामने आई। दूसरी पत्नी को लेकर कुमारी निराला का पति रामलाल साथ लंबे समय से विवाद चला आ रहा था। दोनों के बीच आएदिन इस बात को लेकर उनके बीच विवाद होता था। घटना के दिन भी पति के दूसरी पत्नी के पास जाने की बात को लेकर उनके बीच विवाद हुआ और गुस्से में आकर उसने पत्नी की हत्या कर दी।

सोशल मीडिया में आपत्तिजनक टिप्पणी पर हुआ थाने का घेराव

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के पदाधिकारियों ने रैली निकालकर थाने का घेराव किया। बता दें कि आतंकवाद के खिलाफ गुरुवार शाम नेहरू चौक महासमुंद में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, दुर्गा वाहिनी ने आतंकवाद का पुतला दहन किया। पुतला दहन के पहले विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री अखिलेश लूनिया ने कहा कि राजस्थान के उदयपुर में दर्जी कन्हैयालाल की दुकान में घुसकर हत्या की गई है। उदयपुर में हत्या के बाद हत्यारों ने धमकी भरा वीडियो भी जारी किया है, जो देश की संप्रभुता को चुनौती है। इधर, पुतला दहन के बाद सिनोधा निवासा अरशद नामक युवक ने उदयपुर राजस्थान में दो आतंकवादियों द्वारा कन्हैया लाल की हत्या का समर्थन करते हुए सोशल मीडिया में स्टेटस रखा है। इससे जिले में शांतिभंग होने की संभावना है। पदाधिकारियों ने कोतवाली पहुंचकर युवक को गिरफ्तार करने की मांग की। इस दौरान ईवन साहू, कान्हा प्रधान, वंदना सेन, विक्की चंद्राकर, खिलावन यादव सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुर।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव द्वारा विगत दिवस जशपुर जेल का भ्रमण कर विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विधि के संबंध में जानकारी प्रदान किया गया। साथ ही निरूद्ध बंदियों को अधिवक्ता उपलब्ध कराकर विधिक सहायता प्रदान की गई। जिसमें जेल अधीक्षक मनीष संभाकर तथा अन्य स्टाफ उपस्थित रहे। इसी प्रकार संप्रेक्षण गृह का भ्रमण एडीजे केपीभदौरिया एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव, महेश कुमार राज द्वारा किया गया एवं विधिक सहायता बाल न्यायालय एवं पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत विधि के संबंध मे साक्षरता शिविर लगाए गए जिसमें बच्चों के अभिवावक एवं बाल न्यायालय के स्टाफ एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जिला पंचायत के वाहन चालक अनिल सिंह को सेवानिवृत्त होने पर दी गई विदाई

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुर।

जिला पंचायत के वाहन चालक अनिल सिंह को 30 जून सेवानिवृत्त होने पर जिला पंचायत के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया था। अनिल सिंह को सालए श्रीफल और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जिला पंचायत के अधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अनिल सिंह अपने कार्य के प्रति समर्पित रहें हैं। सभी अधिकारी.कर्मचारियों द्वारा उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की गई।

जिले में पंचायत उप निर्वाचन 2022 के अंतर्गत कुल 15 रिक्त पदों पर निर्वाचन हुआ सम्पन्न

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुर।

जिला निर्वाचन अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंचायत उप निर्वाचनए 2022 जशपुर जिले में कुल 14 वार्ड पंच एवं 1 सरपंचए कुल 15 रिक्त पदों पर निर्वाचन होना था। वार्ड पंच हेतु मनोरा विकास खण्ड में 4 पद, कुनकुरी में 4 पद, फरसाबहार में 3, कांसाबेल 1 एवं बगीचा में 02 पद रिक्त थे, जिसमें से कुनकुरी विकास खण्ड के ग्राम पंचायत कण्डोरा में 2 पद हेतु नाम निर्देशन पत्र प्राप्त नहीं हुए, शेष 12 पदों पर पंच निर्विरोध निर्वाचित हुए। विकास खण्ड फ रसाबहार में ग्राम पंचायत, तपकरा, सरपंच पद का निर्वाचन 28 जून, 2022 को सम्पादित की गई। सरपंच पद हेतु अनिता किस्पोटटा, सविता एवं सुशीला चौधरी द्वारा नामांकन दाखिल किया गया था। अनिता किस्पोट्टा को 116, सविता को 1278 एवं सुशीला चौधरी को 838 मत प्राप्त हुए। इस प्रकार सविता पति बिमल जायसवालए ग्राम पोस्ट तपकरा, विकास खण्ड फ रसाबहार 440 मत से विजयी रही।

भगवान जनन्नाथ की रथ यात्रा, रतनपुर गज किला स्थित जगन्नाथ मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ देखने को मिली

जोहार छत्तीसगढ़–रतनपुर।

शास्त्रों और पुराणों में भी रथयात्रा के महत्व को स्वीकारा गया हैण् मान्यता है कि भक्त रथयात्रा के दौरान मार्ग में भगवान के दर्शन कर पूजा करने वालो को सीधे भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है रथयात्रा एक ऐसा पर्व है जिसमें भगवान जगन्नाथ स्वयं चलकर जनता के बीच आते हैं और उसके सुख दुख के सहभागी बनते है। रतनपुर में भी सालों से चली आ रही रथ यात्रा की परंपरा देखने को मिलती है लेकिन वक्त के पहिए के साथ रथो के भी पहिए बदल गए और आज भी रथ यात्रा निकाली जाती है लेकिन बैलगाड़ी की पहियों वाला रथ अब देखने को नहीं मिलता, रतनपुर गज किला में स्थित मंदिर राजा कल्याण सहाय के समय से इस मंदिर में जगन्नाथ जी की पूजा होती आ रही है बताया जाता है कि राजा हमेशा जगन्नाथ पुरी दर्शन के लिए पहुंचते थे एक बार वे दर्शन के लिए नहीं पहुंच पाए तभी उनको एक स्वप्न आया और उस स्वप्न में उससे जगन्नाथ जी समुद्र में एक लकड़ी में अवतरित होते हुए तैरते हुए बनिया पारा से रथ निकलकर गज किला पहुंचता था जोकि मिलने की बात कही राजा ने अपने साथ कुछ सहयोगियों को लेकर जिसमें स्वयं राजा और एक पुजारी और एक चित्रकार, कुम्हार को लेकर समुद्र से वह लकड़ी लाए और मंदिर बनवा कर लकड़ी की मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा कर उसकी पूजा-अर्चना चालू की तब से आज तक रतनपुर गज किला में जगन्नाथ की पूजा होते चली आ रही और हजारों भक्त पहुंचते हैं दर्शन कर पूजा पाठ करते हैं मंदिर ट्रस्ट द्वारा भंडारे की भी व्यवस्था की जाती है।

राजस्थान के उदयपुर में हुई निर्मम हत्या के विरोध

सुकमा सर्व हिंदू समाज द्वारा कन्हैया लाल के हत्यारों का पुतला जलाया

जोहार छत्तीसगढ़–सुकमा।

राजस्थान के उदयपुर में हुई निर्मम हत्या के विरोध में सुकमा सर्व हिंदू समाज द्वारा कन्हैया लाल के हत्यारों का पुतला जलाया गया इसके साथ ही कैंडल मार्च कर कन्हैयालाल को श्रद्धांजलि भी दी गई इस घटना की हिंदू समाज ने निंदा की है और आरोपियों को फांसी देने की मांग हिंदू समाज ने की है इसके अलावा सुकमा जिले में एक दिवसीय बंद का आह्वान किया गया है जिसका व्यापारी संगठन ने समर्थन किया है, और इस बंद का व्यापक असर देखने को मिला है। आपको बता दें कि राजस्थान के उदयपुर में एक टेलर कन्हैया लाल ने स्टेटस में नूपुर शर्मा के पोस्ट को डाला था जिसके बाद कुछ लोगों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी और इसका वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल कर दिया जिसके बाद से लोगों में आक्रोश बना हुआ है हालांकि दोनों ही हत्यारों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है अब हिंदू संगठन उन्हें फांसी देने की मांग कर रहा है।

भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकली

जोहार छत्तीसगढ़–कोरिया।

कोरिया जिला के अंतर्गत आने वाला चिरमिरी के जगन्नाथ मंदिर से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली गई इस यात्रा में क्षेत्र के आम जनमानस से लेकर जनप्रतिनिधि शामिल हुए। आपको बता दें कि भगवान जगन्नाथ के रथ यात्रा उड़ीसा के पुरी मंदिर के तर्ज पर चिरमिरी के पोड़ी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर से रथ यात्रा निकाली गई पौराणिक मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ अपनी बहन के कहने पर द्वारिका दर्शन रस के माध्यम से कराया था जिसमें 10 दिन तक यह रथ यात्रा साक्षात जगन्नाथ भगवान के साथ निकाली जाती है मान्यता यह भी है कि आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष द्वितीय से 10 दिन तक यह रास्ता तेरा निकलती है और भगवान जगन्नाथ आम जनमानस के बीच में उपस्थित रहते हैं और उनका आशीर्वाद लोक कल्याण के लिए रहता है इसी को लेकर भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा बड़े हर्षोल्लास के साथ निकाली गई।

एक नजर

नवपदस्थ कलेक्टर जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने कार्यभार ग्रहण किया

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

जिले के नव पदस्थ कलेक्टर जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने आज कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम जनता को अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर भटकना न पड़े, अधिकारी संवेदनशील होकर आम लोगों की समस्याओं के निदान के लिए तत्पर रहे। उल्लेखनीय है कि शुक्ला वर्ष 2011 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी है। इसके पूर्व वे जांजगीर चांपा कलेक्टर थे। कार्यभार ग्रहण करने के दौरान पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह छवई, जिला पंचायत सीईओ लीना मण्डावी, अपर कलेक्टर डॉ. अनिल बाजपेयी, एएसपी पंकज पटेल, डिप्टी कलेक्टर विश्वास राव म्हस्के, डिप्टी कलेक्टर हीरा गवर्ना, एसडीओपी राजीव शर्मा, कार्यपालन अभियंता लोनिवि निर्मल कुमार सिंह ठाकुर, कोषालय अधिकारी राजेश तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने विशेष अभियान चलाकर जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के दिए निर्देश

जोहार छत्तीसगढ़–जशपुर।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा जशपुर जिले अन्तर्गत विधान सभा क्षेत्र के भ्रमण के दौरान विभिन्न ग्रामों में जन चौपाल एवं भेंट मुलाकात कार्यक्रम में समाज प्रमुखों, ग्रामीणों के साथ हुए चर्चा में आरक्षित संवर्ग अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के परिवार के ऐसे पात्र सदस्यों को जिनकी जाति तथा मूल निवास के संबंध में लोक व निजी दस्तावेजों में साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं, उनके जाति प्रमाण-पत्र एक विशेष अभियान चलाकर जारी करने के निर्देश दिये हैं। इस संबंध में कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल द्वारा जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष ग्राम सभा का आयोजन करए आरक्षित संवर्ग के पात्र शत-प्रतिशत् सदस्यों के जाति प्रमाण-पत्र समय-सीमा में जारी करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने जिले के सभी एसडीएम जनपद सीईओ एवं विकास खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जुलाई माह 2022 के द्वितीय सप्ताह में प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष ग्राम सभा का आयोजन कर और ग्राम पंचायत क्षेत्र अन्तर्गत आरक्षित संवर्ग के पात्र शत प्रतिशत सदस्यों को स्थायी जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि संलग्न प्रारूप में ग्राम पंचायत स्तर, तहसील कार्यालय एवं जिला कार्यालय में स्थायी रिकार्ड पंजी संधारित किया जाये। कलेक्टर ने विशेष ग्राम सभा आयोजन के पूर्व व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। साथ ही प्रत्येक ग्राम में मुनादी एवं अन्य साधनों से भी प्रचार-प्रसार कराने की बात कही।

खुद को शोरूम डीलर बताकर किसान से ठगा ट्रैक्टर

एसपी से शिकायत के बाद शुरू हुई जांच

कोरबा । शोरूम में खुद को पुराने गाड़ियों का डीलर बताते हुए ऊंचे और अच्छे दाम दिलवाने के नाम पर पुराने ट्रेक्टर को ले जाकर लापता कर देने वाले के खिलाफ एक कृषक ने एसपी को लिखित शिकायत देते हुए उक्त ट्रेक्टर या रुपया दिलाये जाने की गुहार लगाई है। पीड़ित ने स्थानीय पुलिस पर भी गंभीर आरोप मढ़ते हुए शिकायत में कहा है कि मामले की कार्यवाही के लिए कोतबा चौकी प्रभारी टेकराम सारथी से निवेदन किया गया लेकिन उन्होंने मामले को हस्तक्षेप से बाहर होने की बात कहते हुए न्यायालय में शरण लेने की बात कही। जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक जशपुर को दिए आवेदन में पीड़ित रोशन चौहान पिता अजित राम चौहान निवासी नगर पंचायत कोतबा वार्ड क्रमांक 14 ने बताया है कि रायगढ़ जिले के लैलूंगा निवासी अप्रांस सिन्हा नामक व्यक्ति के द्वारा 18 अप्रैल 2021 को उनके निवास में आकर कहा कि आपकी सोनालिका ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 14 एमएच 3935 को यह कहते हुए बरगलाया गया कि ये बहुत पुरानी हो गई है, वो अपने आप को लैलूंगा के ट्रेक्टर शोरूम में डीलर और पुराने गाड़ियों के खरीदी बिक्री करने की बात कहते हुए अच्छे दाम पर बेच देने की बात कहकर अपने साथ ले गया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घोषणा पर त्वरित अमल

उज्ञाव और अमृतपुर सहित 10 गांवों को किया गया सौर ऊर्जा से रोशन

जोहार छत्तीसगढ़–कोरिया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर त्वरित अमल करते हुए जिला प्रशासन द्वारा गांवों शिवपुर, सोनहरी, गोयनी, उज्ञाव, अमृतपुर, उधैनी, बघवार, चंदहा, आनंदपुर, कदना को सौर ऊर्जा से रोशन किया गया। जिले के सौर संयंत्र से संचालित ग्रामों में खराब व अकार्यशील बैटरी बैंक को बदलने की कार्यवाही की जा रही है जिससे गांवों को रोशन किया जा रहा है। सौर ऊर्जा से ग्रामीण विद्युतीकरण अंतर्गत स्थापित सोलर पावर प्लांट के अकार्यशील बैटरी बैंक को बदलने की कार्यवाही 10 सुदूर वनांचल गांवों में पूरी हो चुकी है। क्रेडा के प्रभारी अधिकारी ने बताया कि विद्युतविहीन गांवों में सौर ऊर्जा से विद्युतीकरण की कार्यवाही सतत जारी रहेगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रामगढ़ में आयोजित भेंट.मुलाकात कार्यक्रम में इन सुदूर गांवों के सौर ऊर्जा से विद्युतीकरण कर निर्देश दिए थे।

5 लाख का ईनामी नक्सलि मुठभेड़, 5 ढेर

जोहार छत्तीसगढ़–सुकमा।

नक्सलियों के बंद में मिली बड़ी सफलता पुलिस एवं नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़, 5 लाख ईनामी खूँखार नक्सली कमलेश हुआ ढेर, आतंक का पर्याय था नक्सली एसीएम कमलेश। सुकमा एसपी सुनील शर्मा के नेतृत्व मे लगातार जिले मे नक्सलियों के ऊपर दबाव बनाने मे पुलिस को मिल रही है। सफलता। 1 जुलाई 2022 लगभग सुबह 10 बजे बस्तर आईजी सुंदर राज पीके मार्गदर्शन मे जिला सुकमा एसपी सुनील शर्मा के निर्देशन एवं एएसपी आप्स किरण चव्हाण के नेतृत्व में सुकमा जिला के मनकापाल के बोरापारा जंगलों थाना गादीरास में माओवादी और डीआरजी सुकमा के बीच मुठभेड़ हुई है, सुकमा डीआरजी एवं सीआरपीएफ की टीम की संयुक्त कार्यवाही मे मिली बड़ी सफलता, मुठभेड़ के बाद क्षेत्र की सर्च करने पर एक पुरुष माओवादी का शव बरामद हुआ है। माओवादी की पहचान प्रारंभिक तौर पर कमलेश मलेंगर एरिया कमेटी सदस्य दरभा डिविजन सीपीआई माओवादी के रूप में की गई है जिस पर 5 लाख का इनाम घोषित किया गया था। समाचार लिखे जाने तक सर्च अभियान जारी है।

फसल बीमा सप्ताह, बीमा रथ रवाना

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत् कम बीमा आवरण वाले क्षेत्रों में खरीफ वर्ष 2022-23 में कृषकों के मध्य जन जागरूकता तथा अधिक से अधिक कृषकों को बीमा आवरण में लाने हेतु आजादी की 75 वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत फसल बीमा रथ रवाना आज शुक्रवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बेमेतरा लीना कमलेश मण्डावी द्वारा बीमा रथ को हरी झण्डी दिखा कर किया गया। साथ ही जिला स्तर पर खरीफ 2022-23 में अधिक से अधिक ऋणी-अऋणी कृषकों को बीमा आवरण में लाने हेतु प्रचार-प्रसार के कार्यक्रम प्रारंभ किये गये है। शासन द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ वर्ष 2022-23 हेतु फ सल बीमा कराने की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2022 तय की गयी है। इसके तहत् धान सिंचित फसल हेतु 1100 रूपये प्रति हेक्टेयर, धान असिंचित फसल हेतु 840 रूपये प्रति हेक्टेयर, सोयाबीन फसल हेतु 864 रूपये प्रति हेक्टेयर एवं तुअर अरहर फसल हेतु 696 रूपये प्रति हेक्टेयर कृषक देय बीमा प्रीमियम राशि तय की गई है। ज्ञात हो कि पूर्व खरीफ वर्ष 2021-22 में जिले में 128784 कृषकों द्वारा बीमा लाभ लिया गया था। ऋणी किसानों का बीमा संबंधित बैंक, सहकारी समिति द्वारा अनिवार्य रूप से किया जायेगा, उन्हें केवल घोषणा एवं बुवाई प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। अऋणी कृषकों को बैंक, सहकारी समिति एवं लोक सेवा केन्द्र में बीमा प्रस्ताव फ र्म, नवीनतम आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भू-स्वामित्व साक्ष्य बी-1 पंचसाला, किरायेदार, साझेदार कृषक का दस्तावेज, बुवाई प्रमाण पत्र एवं घोषण पत्र प्रदाय कर 15 जुलाई 2022 तक बीमा करा सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु अपने क्षेत्र के कृषि अधिकारी से संपर्क करें। उप संचालक कृषि ने कृषकों से अपील की है कि मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए अपनी फसलों का बीमा अवश्य कराये, ताकि प्रकृति के विपरीत परिस्थितियों में हानि एवं क्षति होने पर वित्तीय सहायता प्राप्त हो सकें। इस अवसर पर उप संचालक कृषि एमडी मानकर, बीमा कंपनी जिला प्रतिनिधि मिथलेश साहू एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित थे।

ट्रक के ठोकर से युवक की मौत

कोरबा । निर्माणाधीन फेरलेन नेशनल हाइवे मार्ग में तेज रफ्तार ट्रक ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार युवक की स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रुप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई उपरांत शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और ट्रक जब्त कर थाना में खड़ा कर दिया।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल हुए संसदीय सचिव

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने भगवान जगन्नाथ की यात्रा में शामिल होकर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की खुशहाली की कामना करते क्षेत्रवासियों को रथयात्रा की बधाई दी। शुक्रवार को श्रीराम जानकी मंदिर ट्रस्ट से रथयात्रा निकाली गई। यहां सुबह से ही श्रद्धालु भगवान श्री जगन्नाथ के दर्शन के लिए पहुंचते रहे। दोपहर में यहां से रथयात्रा शहर भ्रमण के लिए निकाली गई। इस दौरान संसदीय सचिव श्री चंद्राकर श्रीराम जानकी मंदिर पहुंचकर रथयात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने पूजा अर्चना कर लोगों को रथयात्रा की बधाई देते हुए क्षेत्र में खुशहाली की कामना की। इस दौरान प्रमुख रूप से श्रीराम जानकी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष वीरेंद्र चंद्राकर, केशव चंद्राकर, चंद्रहास चंद्राकर, नगरपालिका के उपाध्यक्ष कृष्णा चंद्राकर, देवदत्त चंद्राकर, दिलीप चंद्राकर आदि मौजूद रहे।

निवर्तमान कलेक्टर को भावभीनी विदाई

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

निवर्तमान कलेक्टर विलास भोसकर संदीपान को आज यहां संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में भावभीनी विदाई दी गई। ज्ञात हो कि राज्य शासन द्वारा हाल ही में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की स्थानांतरण सूची जारी की गई थी, जिसमें भोसकर को मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के पद पर पदस्थ किया गया है। निवर्तमान कलेक्टर ने कहा कि बेमेतरा जिले में पदस्थापना के दौरान जिले के आम नागरिकों, अधिकारियों-कर्मचारियों का भरपूर सहयोग मिला। बेमेतरा एक शांत प्रिय जिला है। शांति व्यवस्था कायम रखने पुलिस प्रशासन का भी भरपूर सहयोग मिला। पुलिस अधीक्षक धमेन्द्र सिंह ने कहा कि कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले में उनके साथ कार्य करने का मौका मिला। वे जहां भी जाये अपनी विशेष पहचान स्थापित करेंगे। जिला पंचायत सीईओ लीना मण्डावी ने कहा कि कलेक्टर के नेतृत्व में जिले में मनरेगा के अनेक कार्य संपादित कराये गये। आगे भी समय समय पर उनका मार्गदर्शन हमे मिलता रहेगा। अपर कलेक्टर डॉ. अनिल बाजपेयी ने कहा कि कलेक्टर के रूप में भोसकर एक सुलझे हुए अधिकारी हैं उनके मार्गदर्शन में उनसे बहुत कुछ सिखने को मिला। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बेमेतरा दुर्गेश वर्मा को भी इस कार्यक्रम के दौरान भावभीनी विदाई दी गई और उनके सुखद एवं उज्जवल भविष्य की कामना की गई। ज्ञात हो कि 7 जून 2021 को बेमेतरा जिले के 8वें कलेक्टर के रूप में भोसकर ने अपना कार्यभार ग्रहण किया था। इस अवसर पर डीईओ अरविंद मिश्रा, कार्यपालन अभियंता लोनिवि निर्मल सिंह ठाकुर, एएसपी पंकज पटेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नवागढ़ प्रवीण तिवारी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, बेरला संदीप ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर विश्वास राव म्हस्के, सहायक आयुक्त अजाक मेनका चंद्राकर, नायब तहसीलदार रोशन साहू ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -नारायण बाईन, फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in